मंडे पॉजिटिव

निजी अस्पताल में पहली बार एआई से एंडोस्कोपी शुरू

रेडियोलॉजी के बाद एआई से एंडोस्कोपी; सूक्ष्म कैंसर गांठ, अल्सर, सीलियक डिजीज का पता लगाना संभव

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

प्रदेश में मरीजों के बेहतर इलाज के लिए एआई (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग बढ़ता जा रहा है। रेडियोलॉजी के बाद अब एंडोस्कोपी के जरिए एआई से इस तरह जांच की जा रही हैं जो कि सामान्य एंडोस्कोपी में संभव नहीं हैं। एआई के जरिए अभी तक एक बार में ही खाने की नली, अमाशय, बड़ी आंत (कोलोन) का कैंसर सहित अन्य ऐसी बीमारियों को पकड़ा जा रहा है जो कि शुरुआती दौर में पकड़ में ही नहीं आ पाती थी। निजी अस्पताल में पहली बार एआई के जरिए एंडोस्कोपी शुरू की गई है और अभी तक 50 से अधिक मरीजों की जांच की जा चुकी है। ये वे मरीज थे, जिनके लंबे समय से बीमारी

थी और सामान्य एंडोस्कोपी में पकड़ में नहीं आ रही थी। फोर्टिस अस्पताल के सीनियर गेस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. एसएस शर्मा ने बताया कि एंडोस्कोपी में एआई तकनीक का उपयोग करके गंभीर बीमारियों का पता लगाया जा रहा है। इनमें कैंसर, अल्सर, और पाचन तंत्र की बीमारियां प्रमुख हैं। एआई तकनीक एंडोस्कोपी इमेज का विश्लेषण करके छोटे से छोटे बदलावों को पकड़ सकती है, जो डॉक्टरों के लिए मुश्किल था।

एआई एंडोस्कोपी के ये बड़े फायदे

- एआई तकनीक एंडोस्कोपी इमेज का विश्लेषण करके सटीक निदान कर सकती है।
- एआई तकनीक बीमारी के प्रारंभिक चरण में ही इसका पता लगा सकती है।
- एआई तकनीक डॉक्टरों का बोझ कम करती है, जिससे वे अधिक जटिल मामलों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

एआई एंडोस्कोपी से पकड़ी जाने वाली बीमारियां

- **कैंसरः** एआई तकनीक कैंसर के प्रारंभिक चरण में ही इसका पता लगा सकती है।
- **अल्सरः** एआई तकनीक अल्सर का पता लगा सकती है और इसका इलाज करने में मदद कर सकती है।
- **पाचन तंत्र की समस्याएंः** एआई तकनीक पाचन तंत्र की समस्याओं जैसे कि सीलियक रोग, रक्तस्राव, और सूजन का पता लगा सकती है।

एआई एंडोस्कोपी में कैसे काम करता है?: एंडोस्कोपी के दौरान यदि किसी बीमारी के लक्षण चिकित्सक की नजर से छूट जाता है तो एआई सिस्टम तुरंत स्क्रीन पर एक बॉक्स बनाकर सतर्क करता है कि उस विशेष हिस्से को ध्यान से दोबारा देखें।